

# BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.

## Personal Details

Author Name	Nagma Khan
Father Name	Mansoor Khan
Date of Birth	1976-09-25
Contact No	9867826399
Alternate contact no.	8355845539
e-mail ID	nagmaarhaan@gmail.com
Nominee Name	Asad Khan
Correspondence Address :	A-302 HARMONY 19 CHSL, BEHIND GCC CLUB
Landmark	GCC CLUB
City	MIRA BHAYANDAR (THANE)
State	Maharastra
Pin Code	401107
Country	India

## BANK DETAILS

Account holder's name	NAGMA ASAD KHAN
Account No.	22720110017296
Bank Name	UCO Bank

Branch	MIRA BHAYANDAR
IFSC Code	UCBA0002272
Pan No.	ANIPP6234A

### Book Details

Book Title	भटकती राहें
How would you like your name to appear on book?	Nagma Khan
Manuscript Language	Hindi
Book Genre	Non-Fiction
Number of images (If any)	10
Manuscript Status	Proof Read
Book Size	6"x9"

### Cover details

## Synopsis

लखिने का मकसद सरिफ इतना है कआप समझ सकते हैं कनिशा क्या होता है और उस नशे का असर कहां तक जाता है जो नशा करता है सरिफ उसकी ज़िंदगी में नहीं बल्क उससे जुड़े हर इंसान तक। अक्सर हम कहते हैं और सुनते हैं कफिलाने नशा कया तो फला को ऐसा हुआ लेकिन हकीकत तो यह है कजिब वह सारी खराब चीज़ हमारे साथ या हमारे किसी रश्तेदार या जानने वाले के साथ हो रही होती है तब हमें पता चलता है कनिशे की पीड़ा क्या होती है? कतिना खोखला कर देता है यह नशा इंसान को कनिा तो उसके सोचने की शक्ति रह जाती है, न समझने की, ना महसूस करने की, न जीने की और ना मरने की।

ज़िंदगी एक अनमोल तोहफ़ा है कुदरत का दिया हुआ, जसिमें हरयाली रहती है तो पूरा परवार हमारा खुशहाल हो जाता है लेकिन जब वह परेशानी नशे जैसे हालात के रूप में आकर खड़ी हो जाए तो ज़िंदगी के मायने (अर्थ) ही बदल जाते हैं। जब गुलदस्ते की तरह हमारा जीवन, नशे की वजह से उस नरक में पड़े आग के गोले की तरह हो जाता है जसिमें हर वक्त सरिफ और सरिफ जलना ही होता है। मरने के बाद तो इंसान अकेले जलकर इस दुनिया से चला जाता है लेकिन नशे की आग में जलने वाला व्यक्ति अपने साथ अपने पूरे परवार को कभी न बुझने वाली आग में जलता रहता है जसिके बुझने का कोई अता पता नहीं रहता है। ऐसा नशा होता है ड्रग्स का।

आज की ज़्यादातर युवा पीढ़ी अपने करियर को लेकर प्रकाश की और नहीं बल्कि नशे नामक अंधकार में दनि-ब-दनि धूमील होती जा रही हैं और इस युवा पीढ़ी के साथ सभी उम्र के लोग भी नशे के आदी होते जा रहे हैं। लोग नशा अब फैशन के तौर पर ज़्यादा करते हैं। नशा पहले होता था सरिफ किसी खास मौके पर जैसे शादी, पार्टियों में, आज इस तरह नहीं है लोगों ने तो नशे को अपनी रोज़ू की दनिचर्या में शामिल कर लिया है और ज़िंदगी बना लिया है। इसकी वजह से लोग ना घर के रहते हैं और न समाज के। क्योंकि उन्हें होश ही नहीं रहता और जब होश आता है तो फरि से वक्त हो जाता है नशा करने का।

## Blurb

इस कतिब में अलग-अलग लोगों की कहानियां लिखी गई हैं जो इससे पीड़ित हैं जिनकी जदिगी नशे के सेवन के पहले कुछ और थी और नशे के सेवन के बाद कुछ और। इस कतिब से लिखने से मेरा यही उद्देश्य है यह कतिब हर तबके के लोग पढ़े और ज्यादातर 13 से 20 वर्ष के बच्चों के माता-पति ताकविह इस उम्र से गुजरते अपने बच्चों का ध्यान रख सकें और इस इरग्स नामक ज़हर से अपने बच्चों को बचा सकें।

## Author Bio

एक पत्रकार हूं मैं। लिखना शौक है मेरा। न्यूज़पेपर और अपनी साइट पर लिखती हूं। एक ब्लॉगर हूं मैं। नये-नये वषियों के बारे में जानना और लिखना बहुत अच्छा लगता है। सामाजिक मुद्दों पर ज्यादा लिखती हूं। म्यूजिक बहुत ज्यादा पसंद है मुझे। जब भी वक्त मिलता है गीत और गज़ल दोनों सुनती हूं और साथ में गुनगुनाती भी हूं। पहचान भले ही छोटी हो पर खुद की हो इस बात पर विश्वास ज्यादा रखती हूं।